हमीरपुर केसरी

खुम्ब उत्पादन की जानकारी दी

नादौन, 21 मार्च (जैन): कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा हमीरपुर में खुम्ब उत्पादन पर साप्ताहिक शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जिला के 50 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। शिविर का शुभारंभ केंद्र प्रभारी डा. प्रदीप कुमार ने किया। शिविर में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों डा. प्रवीन कुमार, डा. अंजना, डा. चमन लाल चौहान व डा. धनवीर ने किसानों को विशेषज्ञता के आधार पर जानकारी दी। डा. प्रदीप ने किसानों को खुम्ब की विभिन्न प्रजातियों जैसे ढिंगरी, बटन मशरूम, दुधिया मशरूम व पराली मशरूम के उत्पादन व रख-रखाव, अभियंत्री, स्पान, कमरों के उचित प्रबंधन तथा मंडीकरण की उचित व्यवस्था के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर किसानों को व्यावसायिक स्तर पर खुम्ब उत्पादन करने के लिए प्रेरित किया।

नादौन : कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा हमीरपुर में खुम्ब उत्पादन शिविर में उपस्थित किसान कृषि विशेषज्ञों के साथ। (जैन)

नादौन : कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा में एक सप्ताह तक चलने वाले खुम्ब प्रशिक्षण शिविर में जानकारी देते पाठ्य विशेषज्ञ। (जैन)

हिमालय केसरी

मंगलवार TUESDAY 15 मार्च 2016

खुम्ब का प्रशिक्षण लेने को भरे नामांकन

नादौन, 14 मार्च (जैन): कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा में एक सप्ताह तक चलने वाले खुम्ब प्रशिक्षण शिविर का आगाज हुआ, जिसमें हमीरपुर के 6 ब्लाकों से महिलाओं व पुरुषों ने खुम्ब की खेती करने के लिए नामांकन भरे। किसानों के लिए घरेलू स्तर पर व्यावसायिक तौर पर खुम्ब उत्पादन पर कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी वैज्ञानिक डा. प्रदीप कुमार ने खुम्ब प्रशिक्षण कृषक कक्षा का शुभारंभ किया। इस प्रशिक्षण में लगभग 25 लोगों ने अपना नामांकन दर्ज करवाया। इस प्रशिक्षण को पाने के लिए नवयुवक वर्ग ने कृषि विभाग व आतमा परियोजना के माध्यम से आवेदन किया हुआ था। इसमें डाक्टर प्रदीप, पाठ्य विशेषज्ञ ने किसान भाइयों को खुम्ब की विभिन्न प्रजातियों आदि के बारे में जानकारी दी।

50 किसानों ने सीखा खुंब उगाना

नादौन – कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा नादौन में खुंब उत्पादन पर साप्ताहिक शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जिला हमीरपुर के 50 किसानों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ 14 मार्च से किया गया, जिसमें डा. प्रदीप कुमार प्रभारी वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा नादौन ने किसानों का स्वागत किया। इस साप्ताहिक खुंब उत्पादन शिविर में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डा. प्रवीन कुमार, डा. अंजना, डा. चमन लाल चौहान व डा. धनवीर ने भी किसानों को नियमित कृषक कक्षाओं के माध्यम से अपने-अपने विषयों से संबंधित खुंब उत्पादन, रखरखाव व प्रबंधन बारें में जागरूक किया। इसके साथ-साथ पीएल शर्मा, राज्य कंसलटेंट आतमा परियोजना, एनआर वर्मा, पीडी आत्मा तथा देशराज शर्मा डीपीडी आतमा परियोजना ने भी जिला से आए हुए किसानों को खुंब उत्पादन व इससे संबंधित योजनाओं को किसानों के साथ साझा किया।

हमीरपुर केसरी

शुक्रवार FRIDAY 12 फरवरी 2016

कृषि शिविरों में किसान संघ के पदाधिकारी बुलाए जाएं

किसानों को फसलों व फलों की दवाइयों व पशुपालन के संबंध में जानकारी दी

नादौन, 11 फरवरी (जैन): भारतीय किसान संघ नादौन इकाई की बैठक जिलाध्यक्ष राम स्वरूप चौधरी की अध्यक्षता में धरोबड़ू में हुई। बैठक में संघ के प्रदेशाध्यक्ष भगत राम पटियाल ने विशेष रूप से शिरकत की। बैठक में संघ के सदस्यों ने किसानों से संबंध रखने वाले प्रस्ताव भी पारित किए। बैठक की जानकारी देते हुए संघ के पदाधिकारी राम दास चौधरी ने बताया कि बैठक में कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा से डा. प्रवीण शर्मा, डा. चमन लाल और रेखा डोगरा ने भी भाग लिया तथा उन्होंने किसानों को फसलों व फलों की दवाइयों व पशुपालन के संबंध में किसानों को जानकारी दी। बैठक में पानी के प्रदूषण को रोकने के लिए जागरूकता पर भी बल दिया गया तथा आई.पी.एच. विभाग से मांग की गई कि समय-समय पर हैंडपंपों के साथ-साथ प्राकृतिक जल स्रोतों के पानी की भी जांच की जाए। कीटनाशक दवा विक्रेताओं से भी आग्रह किया कि वे दवाइयों के छिड़काव की विस्तृत विधि सूचना पट्ट पर दर्शाएं। बैठक में कृषि और किसान संबंधी विभिन्न विभागों से आग्रह किया गया कि वे बैठकों में किसान संघ के पदाधिकारियों को भी बुलाएं, जिससे संघ अपने सुझाव दे ... में ओंकार चंद पटियाल ... आदि सं... शामिल ...

पंजाब केसरी

वैज्ञानिक तरीके से करें खेती : डा. प्रदीप

वीरवार THURSDAY 11 अगस्त 2016
हमीरपुर केसरी

अधिकारियों ने लिया जल संरक्षण का प्रशिक्षण

प्रशिक्षण शिविर में पहुंचे 26 कृषि अधिकारी

नादौन, 10 अगस्त (जैन): कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा में जल संरक्षण व इसके उचित उपयोग पर जिला हमीरपुर के कृषि अधिकारियों को 2 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के अंतर्गत आतमा परियोजना के सौजन्य से किया गया।

इस शिविर में कृषि विभाग के विभिन्न ब्लाकों से आए अधिकारियों को जल संरक्षण व इसके उचित उपयोग की जानकारी प्रदान की गई। इस कार्यशाला का शुभारंभ केंद्र प्रभारी डा. प्रदीप कुमार ने किया। इस कार्यशाला का संचालन करते हुए डा. धर्मवीर सिंह ने जल संरक्षण की जानकारी प्रदान की। डा. संजीव संदल प्रधान वैज्ञानिक मृदा विज्ञान कृषि विज्ञान केंद्र कांगड़ा द्वारा जल संरक्षण की विभिन्न प्रकार की विधियों बौछार व टपक सिंचाई आदि के बारे में जानकारी दी गई।

इसके साथ-साथ विज्ञान केंद्र ऊना से डा. संजय शर्मा द्वारा वर्षा जल संग्रहण के तरीकों व बरानी क्षेत्रों में इसके महत्व के ऊपर जानकारी मुहैया करवाई गई। वैज्ञानिक चमन ने भी सब्जियों में जल प्रबंधन पर जानकारी उपलब्ध करवाई। इस मौके पर जिला

नादौन : कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा में कृषि अधिकारियों को प्रशिक्षण देते केंद्र प्रभारी डा. प्रदीप कुमार। (जैन)

हमीरपुर के 26 कृषि अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर आतमा परियोजना सलाहकार डाक्टर पी.एल. शर्मा व आतमा परियोजना हमीरपुर उपनिदेशक डा. देसराज ने अपने विचार रखे।

हमीरपुर केसरी
बुधवार WEDNESDAY 15 जून 2016

बड़ा में किसानों ने जानी अजोला की तकनीक

कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा हमीरपुर में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत एकदिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

नादौन, 14 जून (जैन): राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा में एकदिवसीय अजोला पशु आदर्श आहार पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का शुभारंभ डा. प्रदीप कुमार प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र ने किया। इस प्रशिक्षण शिविर में आए

नादौन : कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा में कृषि संबंधी जानकारी लेते किसान। (जैन)

हुए पशुपालन अधिकारी डा. अजमेर डोगरा ने कृषक भाइयों व पशुपालकों को पशुओं के लिए अजोला संतुलित आहार को अपनाने व अपने घरों में अजोला इकाई स्थापित करने पर बल दिया।

इस कार्यक्रम में डा. संदीप शर्मा व डा. रोहित शर्मा ने भी किसानों व पशुपालकों को संतुलित आहार व पशुओं की बीमारियों व रोगों के समाधान को सांझा किया। डा. प्रदीप ने जीवांत प्रदर्शन के आधार पर अजोला इकाई को स्थापित करने की विधि व इसके उचित प्रबंधन पर पशुपालकों को अपनाने पर बल दिया। इस कार्यक्रम में कृषक संघ के अध्यक्ष बलजीत संधू भी उपस्थित रहे। उन्होंने ने भी युवा वर्ग को डेयरी फार्मिंग व मुर्गीपालन को स्वरोजगार के रूप में अपनाने पर बल दिया।

पंजाब केसरी
28 अगस्त 2015

किसानों ने ली कृषि संबंधी जानकारी

बड़ा में कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा आयोजित

नादौन, 27 अगस्त (जैन): कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा में कृषक-वैज्ञानिक परिचर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा का आयोजन आतमा परियोजना के अंतर्गत किया गया। परिचर्चा में जिला के 100 से ज्यादा किसानों ने भाग लिया। परिचर्चा में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों के अलावा जिला के कृषि से संबंधित अधिकारियों ने भाग लिया। इस अवसर पर किसानों ने कृषि विशेषज्ञों से सवाल किया कि हिमाचल प्रदेश में जैविक कीटनाशकों की अपेक्षा रासायनिक कीटनाशकों का अधिक प्रयोग क्यों किया जा रहा है? जिस पर कृषि वैज्ञानिकों ने कहा कि समयानुसार प्रदेश की जलवायु में परिवर्तन आया है जिसके चलते मृदा की जरूरतों को पूरा करने के लिए रासायनिक कीटनाशकों का प्रयोग किया जाता है जिससे पौधों को रोगों से बचाया जाता है। परिचर्चा में किसानों ने खेतीबाड़ी, बागवानी व पशुपालन में आने वाली समस्याओं के निवारण के विशेषज्ञों से उपाय पूछे। डा. प्रदीप रतन, डा. चमन लाल व डा. धनवीर ने किसानों की समस्याओं का निवारण किया। किसानों की बागवानी संबंधी समस्याओं का समाधान डा. प्रदीप सांख्यान व डा. प्रवीण कुमार ने किया जबकि पशुपालन संबंधी समस्याओं का समाधान डा. विपिन चौधरी ने किया। इसके अतिरिक्त डा. पटियाल व डा. कपूर ने किसानों को सरकारी स्कीमों की जानकारी दी। परिचर्चा के दौरान कृषक सलाहकार समिति नादौन के अध्यक्ष बलजीत संधू ने भी किसानों को खेतीबाड़ी से संबंधित अनुभवों के बारे में बताया। आतमा परियोजना के निदेशक डा. हेमराज वर्मा व डा. अजीत शर्मा ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर विशेषज्ञों ने किसानों का आह्वान किया कि अगर उन्हें कृषि, बागवानी व पशुपालन संबंधी किसी जानकारी की आवश्यकता हो तो वह नजदीकी अधिकारियों से संपर्क करें उनकी समस्याओं के समाधान के पूरे प्रयास किए जाएंगे।

हमीरपुर केसरी
शुक्रवार FRIDAY 22 अप्रैल 2016

बड़ा में चना खेत दिवस मनाया

नादौन, 21 अप्रैल (जैन): कृषि अनुसंधान परिषद, भारत सरकार द्वारा तेल व दालों की प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा हमीरपुर की ओर से चना खेत दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में लगभग 60 महिला-पुरुष किसानों ने भाग लिया।

केंद्र प्रभारी डा. प्रदीप कुमार ने बताया कि इस अवसर पर किसानों को कृषि वैज्ञानिकों ने खेत भ्रमण भी करवाया तथा उन्हें चना कृषि संबंधी जानकारी दी। इस अवसर पर एक प्रगतिशील किसान हेमराज ने बताया कि उन्होंने लगभग 1.5 कनाल भूमि में 2 कि.ग्रा. बीज की बिजाई की थी तथा उन्हें लगभग 1.5 क्विंटल चने की फसल प्राप्त होने की संभावना है। हेमराज ने बताया कि चने की फसल के सफल उत्पादन के लिए उन्होंने समय-समय पर कृषि वैज्ञानिकों का मार्गदर्शन लिया।

इस अवसर पर पट्टा के पशु चिकित्सक डा. किशोरी लाल ने किसानों को पशुओं से संबंधी जानकारी दी। कार्यक्रम में केंद्र के डा. प्रवीण, डा. चमन लाल चौहान और डा. धनवीर ने भी किसानों को कृषि संबंधी विभिन्न जानकारियां दीं। इस अवसर पर ग्राम पंचायत प्रधान कमल ठाकुर और उपप्रधान राजेंद्र कुमार भी उपस्थित रहे तथा पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रधानमंत्री द्वारा संचालित ग्राम उदय योजना के अंतर्गत विभागीय योजनाओं की जानकारी किसानों को दी।

हिमालय केसरी
शुक्रवार FRIDAY 11 सितम्बर 2015

मक्का खेत दिवस आयोजित

नादौन : कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा में मक्का खेत दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में फसलों की जानकारी प्राप्त करने के उपरांत सामूहिक चित्र में किसान व उनके साथ डा. प्रदीप कुमार व डा. धर्मवीर। (जैन)

नादौन, 10 सितम्बर (जैन): कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा नादौन हमीरपुर द्वारा प्रायोजित निकरा परियोजना के तहत निकरा चयनित पंचायत मण में मक्की खेत दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें चयनित बी.सी.आर.एम.सी. समिति के अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष, सचिव व अन्य सदस्यों ने भाग लिया। कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा हमीरपुर प्रभारी वैज्ञानिक डाक्टर प्रदीप कुमार व सदस्य विज्ञान वैज्ञानिक डा. धर्मवीर ने मण पंचायत के प्रगतिशील किसानों को संबोधित किया तथा किसान भाइयों की समस्याओं का निपटारा मौके पर ही किया गया। इसके साथ ही किसानों द्वारा प्रदर्शित मक्की के खेतों का भी भ्रमण किया गया। सभा में आगामी रबी मौसम में लगने वाले अंग्रेजी व समयानुकूल गेहूं की किस्मों, खरपतवार नियंत्रण व खाद आदि के बारे में चर्चा हुई। इसके अलावा तिलहनी व रबी मौसम में लगने वाली फसलों, पशुओं के रख-रखाव और वैकल्पिक चारे के प्रबंधन व गृह विज्ञान के उत्पादों के निर्माण बारे भी चर्चा की गई।

डाक्टर प्रदीप कुमार ने किसानों को वैज्ञानिक ढंग से खेतीबाड़ी करने का आह्वान किया। इस आयोजन में निकरा परियोजना के शोधकर्त्ता गुलशन व दीपिका ने भी अपनी भागीदारी निभाई।

SUNDAY 6 दिसम्बर, 2015

खेतों में संतुलित खाद का प्रयोग करें किसान

कृषि में रोजगार की अपार संभावनाएं

नादौन, 5 दिसम्बर (जैन): पंचायत मण में विश्व मृदा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में एस.डी.एम. नादौन राकेश शर्मा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। विश्व मृदा दिवस का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा व निकरा परियोजना के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर के.वि.के. बड़ा की ओर से केंद्र प्रभारी डा. प्रदीप कुमार, मृदा वैज्ञानिक डा. धनवीर सिंह और सब्जी वैज्ञानिक डा. चमन चौहान ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य के बारे में जानकरी दी। वैज्ञानिकों ने बताया कि मृदा के स्वास्थ्य के अनुसार किसानों को खेतीबाड़ी करनी चाहिए ताकि सही फसल बीजकर बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सके। जिस फसल के लिए मृदा अनुकूल नहीं है, उसको नहीं बीजना चाहिए। वैज्ञानिकों ने किसानों को बताया कि वे खेतों में संतुलित मात्रा में खाद का प्रयोग करें। इसके अलावा वैज्ञानिकों ने किसानों को खेतीबाड़ी संबंधी अन्य जानकारियां भी दीं। एस.डी.एम. राकेश शर्मा ने किसानों से कहा कि वे बिना सोच-समझे खेतों में खाद का प्रयोग न करें, इससे मिट्टी की उपजाऊ क्षमता तो कम होगी, साथ ही पर्यावरण प्रदूषित भी होगा। उन्होंने कहा कि कृषि में रोजगार की अपार संभावनाएं बन रही हैं तथा अब कृषि के तरीके भी बदले हैं तथा इसके दायरे में भी विस्तार हुआ है। अब केवल अनाज की खेती ही एकमात्र पर्याय नहीं है बल्कि बागवानी, फूलों की खेती व हर्बल खेती जैसी अन्य फसलें भी किसानों को आकर्षित कर रही हैं। कृषि में वैज्ञानिक प्रयासों ने कृषि की दशा ही बदल दी है। विपरीत मौसम में भी फसलों की पैदावार हो रही है, कृषि करने के लिए नए-नए उपकरण खोजे गए हैं, वहीं बीजों में शोधन किया गया है। इस अवसर पर एस.डी.एम. ने किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड भी बांटे। कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा की ओर से एस.डी.एम. को सम्मानित भी किया गया। इस अवसर पर कृषक सलाहकार समिति नादौन के अध्यक्ष बलजीत संधु ने किसानों को सरकार द्वारा कृषि व किसान संबंधी चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर सुदेश कुमार, प्यार सिंह, ईश्वर सिंह, सुभाष चंद, सुनीता व अनीता आदि 60 से ज्यादा किसान उपस्थित रहे।

नादौन : मण में विश्व मृदा दिवस पर एस.डी.एम. राकेश शर्मा को कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा की ओर से सम्मानित करते प्रभारी प्रदीप कुमार व कृषक सलाहकार समिति नादौन के अध्यक्ष बलजीत संधु। (जैन)

दिव्य हिमाचल
divyahimachal.com
IV

सिंचाई के लिए स्टोर करें पानी

बड़ा में किसान मेले के दौरान सांसद अनुराग ठाकुर का आह्वान

■ टीम – बड़ा, नादौन

भारत के किसानों की आय को दोगुना करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों को साकार करने के लिए हम सब को मिल कर कार्य करना होगा। प्रधानमंत्री ने किसानों के लिए न केवल नई योजनाएं आरंभ की हैं बल्कि कृषि बजट को भी बढ़ाया है। ये शब्द सांसद अनुराग ठाकुर ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के सौजन्य से आयोजित किसान मेले के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा में किसानों को संबोधित करते हुए कहे। उन्होंने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि विभिन्न पंचायतों व गांवों में पानी संचित करने के लिए मिलजुल कर कार्य करें और अधिक से अधिक पानी स्टोर करने के साधन बनाएं, जिसके लिए हर कोई अपना श्रमदान करें। उन्होंने कहा कि इस पानी को खेतों तक पहुंचाने के लिए धन की कमी नहीं आने दी जाएगी। श्री ठाकुर ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था व सामाजिक ढांचे में कृषि का महत्त्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि विश्व के दबाव के बावजूद प्रधानमंत्री ने घोषणा की है कि खाद्य सुरक्षा के लिए किसानों की सुविधाओं में कोई कटौती नहीं की जाएगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत जिला हमीरपुर के लिए 237 करोड़ की धन राशि उपलब्ध करवाई गई है। अनुराग ठाकुर ने आवारा पशुओं व बंदरों की समस्या को भी चिंताजनक बताया, साथ ही उन्होंने गो संरक्षण पर बल दिया। इससे पूर्व कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा के वैज्ञानिकों डा. प्रदीप, डा. सीएल चौहान, डा. अंजना ठाकुर, डा. प्रवीण आदि ने फसलों की बीमारियों, सब्जी उत्पादन, कीट व पौधों के विषय पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई। इस अवसर पर कई उत्पादों से सम्बन्धित प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। इस प्रदर्शनी में पशुओं के रख-रखाव, दुग्ध प्रबंधन, हरे चारे के विकल्पों जैसे अजोला व साइलेज बनाने की विधियां को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर विधायक विजय अग्निहोत्री, राकेश ठाकुर, चंदू लाल चौधरी, कैप्टन हरदयाल, भवानी सिंह, डा. नरेश, सूरम सिंह, बसंत ठाकुर, अशोक कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

■ सिंचाई योजना के तहत जिला को मिले 237 करोड़

■ लावारिस पशुओं-बंदरों की समस्या पर जताई चिंता

सांसद से उठाया कम बीज-सिंचाई का मुद्दा

नादौन — कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा में अनुराग ठाकुर ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी फसल बीमा योजना से संबंधित जानकारी युक्त पुस्तकों को जारी किया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित किसानों से जब सवाल जवाब किए तो किसानों ने बीजों की कमी और सिंचाई के लिए पानी की कमी क मुद्दा उठाया, जिसके चलते ठाकुर ने उपस्थित विभागीय अधिकारियों की जमकर क्लास ली। उन्होंने कहा कि विभाग को चाहिए कि वह किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निपटाएं।

दैनिक सवेरा

किसानों की अच्छी आय को मिलकर कार्य करें : सांसद ठाकुर

किसानों को सम्बोधित करते सांसद अनुराग ठाकुर।

नादौन/बड़ा, 13 अप्रैल (प्रदीप/गोस्वामी)। भारत के किसानों की आय को दुगना करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनों को साकार करने के लिए हम सब को मिल कर कार्य करना होगा। प्रधानमंत्री ने किसानों के लिए न केवल कई नई योजनाएं आरंभ की हैं बल्कि कृषि बजट को भी बढ़ाया है यह शब्द सांसद अनुराग ठाकुर ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के सौजन्य से आयोजित किसान मेले के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्र बड़ा में किसानों को संबोधित करते कहे। उन्होंने कहा कि सत्ता में आते ही मोदी सरकार ने उन बड़ी 15 सिंचाई योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने के आदेश दिए जोकि गत केन्द्र सरकारों के समय आधी अधूरी पड़ी थी। उन्होंने उपस्थित लोगों से आह्वान किया कि विभिन्न पंचायतों व गांवों में पानी संचित करने के लिए मिलजुल कर कार्य करें और अधिक से अधिक पानी स्टोर करने के साधन बनाएं। उन्होंने कहा कि इस पानी को खेतों तक पहुंचाने के लिए धन की कमी नहीं आने दी जाएगी। ठाकुर ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था व सामाजिक ढांचे में कृषि का महत्वपूर्ण योगदान है। इससे पूर्व कृषि विज्ञान केन्द्र बड़ा के वैज्ञानिकों डा.प्रदीप, डा.सीएल चौहान, डा.अंजना ठाकुर, डा.प्रवीण आदि ने फसलों की बिमारियों, सब्जी उत्पादन, कीट व पौधों के विषय पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवाई। इस प्रदर्शनी में पशुओं के रख-रखाव, दुग्ध प्रबंधन, हरे चारे के विकल्पों जैसे अजोला व साइलेज बनाने की विधियों को प्रदर्शित किया गया। इस अवसर पर विधायक विजय अग्निहोत्री, राकेश ठाकुर, चंदू लाल चौधरी, कैप्टन हरदयाल, भवानी सिंह, डा.नरेश, सूरम सिंह, बसंत ठाकुर, अशोक कुमार सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

कृषि विज्ञान केन्द्र बड़ा में आयोजित किसान मेले के दौरान बतौर मुख्यातिथि पहुंचे अनुराग ठाकुर ने कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी फसल बीमा योजना से संबंधित जानकारी युक्त पुस्तकों को जारी किया।

वीरवार THURSDAY 14 अप्रैल 2016 हमीरपुर केसरी www.punjabk

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना रोकेगी किसान आत्महत्याएं

कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा में बोले सांसद अनुराग ठाकुर

नादौन, 13 अप्रैल (जैन): कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना पर किसान जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद अनुराग ठाकुर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की।

केंद्र प्रभारी डा. प्रदीप कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। शिविर की जानकारी देते हुए डा. प्रदीप कुमार ने बताया कि इसका मुख्य उद्देश्य किसानों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं विशेषकर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के बारे में जानकारी देना रहा। शिविर में जिला भर के लगभग 200 किसानों ने भाग लिया।

कृषि क्षेत्र में अग्रणी किसानों के प्रयासों की शिविर में सराहना की गई तथा किसानों द्वारा उपज को बढ़ाने के लिए अनपाए गए तरीकों से किसानों को अवगत करवाया गया। इस अवसर पर अनुराग ठाकुर ने किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के बारे में जानकारी दी उन्होंने कहा कि इस योजना के लागू होने से अब कोई भी किसान फसल खराब होने की परिस्थिति में आत्महत्या करने को विवश नहीं होगा। अनुराग ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में किसानों के लिए यह योजना मददगार है तथा इस योजना के तहत फसल के नुक्सान पर मिलने वाले मुआवजे के पुराने तरीके को बदला गया है जिससे किसानों को फसल के नुक्सान होने पर उचित मुआवजा मिला करेगा।

इस अवसर उन्होंने योजना में पंजीकरण करने के बारे में भी जानकारी दी तथा किसानों से योजना में शामिल होने का आह्वान किया। इससे पूर्व उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की पुस्तक का विमोचन भी किया। उन्होंने किसानों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनी का अवलोकन किया। इस अवसर पर भाजपा विधायक विजय अग्निहोत्री, सुरेंद्र छिंदा, भाजयुमो नेता रमणीक सिंह, आशू मंडयाल, भाजपा के प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य ठा. रघुवीर सिंह, अमन गुप्ता, अजय परमार व राकेश ठाकुर आदि उपस्थित रहे।

नादौन : बड़ा में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जागरूकता शिविर में लगाई प्रदर्शनी का अवलोकन करते सांसद अनुराग ठाकुर व (इनसैट में) फसल बीमा योजना की पुस्तक का विमोचन करते हुए। (जैन)

हमीरपुर केसरी
शनिवार SATURDAY 5 दिसम्बर 2015

बड़ा में पशु व कृषि मेला लगाय

पशुपालकों को किया सम्मानित

नादौन, 4 दिसम्बर (जैन): कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा में पशु एवं कृषि मेले का आयोजन किया गया। भारतीय पशु चिकित्सा अभियान पालमपुर एवं चौधरी सरवन कुमार कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस मेले में कई किसानों तथा पशुपालकों ने भाग लिया। इस आयोजन में पशुओं के बीच करवाई गई प्रतियोगिता मेले का विशेष आकर्षण रही, जिसमें कमल कुमार ने प्रथम स्थान तथा बलवंत सिंह और अनिल जम्वाल ने भी अन्य प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान हासिल किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक प्रसार शिक्षा हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर के निदेशक डाक्टर अतुल ने की। इस अवसर पर डाक्टर अतुल ने कहा कि पशुओं में दूध की मात्रा बढ़ाने के लिए उन्हें संतुलित आहार दें। यदि पशु दूध की मात्रा कम दे रहा हो तो किसी अच्छे डाक्टर से उसका उपचार करवाएं। इसके साथ ही पशुपालकों को मुर्राह भैंस इकाई का भ्रमण करवा कर भैंसों के भरण-पोषण व रखरखाव बारे जानकारी दी गई। कृषक सलाहकार समिति नादौन के अध्यक्ष बलजीत सिंह संधु ने बताया कि जैविक खेती जहां पर्यावरण की दृष्टि से लाभकारी है वहीं इससे पैदा होने वाली उपज भी स्वास्थ्य के लिए उत्तम है। जिला हमीरपुर में 37000 हैक्टेयर भूमि पर जैविक खेती की जाती है, जिसमें लगभग 3000 हैक्टेयर भूमि पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध है। इस कार्यशाला में कई अन्य विभागीय विशेषज्ञों ने भी किसानों को संबोधित किया। इस अवसर पर आशा कुमारी, अनिल ठाकुर, कुलदीप ठाकुर, सुषमा कु... बलजीत संधु, निर्मला देवी और ... आदि कई किसानों ने भाग लि...

नादौन : कृषि केंद्र बड़ा में आयोजित पशु एवं कृषि मेले में पशुओं से र... जानकारी देते हुए विभागीय विशेषज्ञ (इनसैट में) उपस्थित पशुपालक।

हमीरपुर केसरी
सोमवार MONDAY 23 नवम्बर 2015

अब दिसम्बर तक लें ताजी लौकी का स्वाद

नादौन, 22 नवम्बर (जैन): कद्दू वर्गीय फसलों में लौकी का विशेष महत्व है। इसकी सब्जी स्वादिष्ट तो होती ही है, साथ ही पौष्टिक भी होती है। इसकी बिजाई किसान गर्मियों में करते हैं तथा गर्मियों व बरसात में ही इसका फल आना शुरू हो जाता है। लेकिन फल मक्खी व मुरझान रोग इसके उत्पादन में बड़ी बाधा हैं। कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा द्वारा परीक्षण के तौर पर किसानों के खेतों में लौकी का उत्पादन सर्दियों के मौसम के मध्य तक सफलतापूर्वक किया गया है। केंद्र में कार्यरत सब्जी वैज्ञानिक डा. चमन चौहान ने इस प्रजाति की विशेषताओं के बारे में बताया कि लौकी का यह बीज साधारण किस्म का बीज है, जिसको किसान स्वयं तैयार कर सकते हैं। इसकी बिजाई जुलाई में की जाएगी तथा दिसम्बर तक इसकी पैदावार होती रहेगी। बेल पर लगने वाली लौकी की लंबाई भी 4 से 6 फुट की होगी तथा इसका फल कोमल तथा बीमारियों से रहित होगा। केंद्र प्रभारी डा. प्रदीप कुमार ने बताया कि बेमौसमी होने की वजह से किसान इसमें अच्छा लाभ कमा सकते हैं।

नादौन : बेमौसमी लौकी की पैदावार को दिखाता किसान। (जैन)

धर्मशाला | शुक्रवार | 16 अक्तूबर 2015
अमर उजाला हमीरपुर

किसान गोष्ठी में बताए फसल प्रबंधन के उपाय

अमर उजाला ब्यूरो

गतिविधियों और प्रमुख उपलब्धियों से किसानों को अवगत करवाया

नादौन (हमीरपुर)। कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा हमीरपुर की ओर से गांव भगवानी में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में केंद्र के वैज्ञानिकों ने लगभग 100 किसानों से कृषि संबंधी परिचर्चा की। परिचर्चा में किसान सलाहकार समिति नादौन के अध्यक्ष बलजीत संधु ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। केंद्र प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार ने बताया कि गोष्ठी में केंद्र की गतिविधियों व प्रमुख उपलब्धियों के बारे में किसानों को अवगत कराया गया। केंद्र के वैज्ञानिकों ने किसानों को मशरूम की खेती करने की संभावनाओं के बारे में बताया। फसल की बीमारियों व रोकथाम के बारे में भी जानकारी दी। केंद्र के सब्जी वैज्ञानिक डॉ. चमन लाल ने गोभी वर्गीय, जड़दार व पत्तेदार सब्जियों को पैदा करने की विस्तृत जानकारी दी। इसके साथ ही उन्होंने किसानों को विभिन्न फसलों के पौधों की नर्सरी तैयार करने की जानकारी भी दी। केंद्र की कीट वैज्ञानिक डॉ. अंजना ठाकुर ने किसानों को आगामी फसलों में नुकसान पहुंचाने वाले कीटों के प्रबंधन पर जानकारी दी। केंद्र के मृदा वैज्ञानिक डॉ. धनवीर सिंह ने गेहूं, चना, मसर, व गोभी सरसों के उत्पादन के बारे में किसानों को विस्तृत जानकारी दी। गोष्ठी में नरेंद्र संधु, मदन लाल, अमरजीत संधु, किशोरी लाल, ओम प्रकाश, संजय शर्मा, अनुराधा, रीता, शकुंतला, संतोष कुमारी आदि अग्रणी किसान मौजूद रहे।

हमीरपुर केसरी
शुक्रवार FRIDAY 16 अक्तूबर 2015

मशरूम की खेती करें किसान : प्रदीप

नादौन : भगवानी गांव में आयोजित किसान गोष्ठी में मौजूद किसान व कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा के वैज्ञानिक। (जैन)

नादौन, 15 अक्तूबर (जैन): कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा हमीरपुर की ओर से गांव भगवानी में किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में केंद्र के वैज्ञानिकों ने गोष्ठी में उपस्थित लगभग 100 किसानों से कृषि संबंधी परिचर्चा की।

परिचर्चा में किसान सलाहकार समिति नादौन के अध्यक्ष बलजीत संधु ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। केंद्र प्रभारी डा. प्रदीप कुमार ने बताया कि गोष्ठी में केंद्र की गतिविधियों व प्रमुख उपलब्धियों के बारे में किसानों को अवगत करवाया गया। इस अवसर पर केंद्र के वैज्ञानिकों ने किसानों को मशरूम की खेती करने की संभावनाओं के बारे में बताया, साथ ही फसलों में लगने वाली विभिन्न बीमारियों व रोकथाम के बारे में भी जानकारी दी। मृदा वैज्ञानिक डा. धनवीर सिंह ने गेहूं, चना, मसूर, गोभी व सरसों के उत्पादन के बारे में किसानों को जानकारी दी। गोष्ठी में नरेंद्र संधु, के. मदन लाल, अमरजीत संधु, किशोरी लाल, ओम प्रकाश, संजय शर्मा, अनुराधा, रीता, शकुंतला व संतोष कुमारी आदि अग्रणी किसान मौजूद रहे।

हमीरपुर केसरी
बुधवार WEDNESDAY 26 अगस्त 2015

किसानों को किया जागरूक

नादौन : कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा के सौजन्य से स्थानीय पंचायत में गाजर घास उन्मूलन जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 50 प्रगतिशील किसानों ने भाग लिया। केंद्र की ओर से मृदा वैज्ञानिक डा. धनवीर सिंह ने गाजर घास से होने वाले नुकसान व बीमारियों की जानकारी किसानों को दी तथा साथ ही उन्होंने इसके नियंत्रण के उपाय भी बताए। बड़ा में गाजर घास उन्मूलन जागरूकता अभियान के दौरान कृषि वैज्ञानिक डा. धनवीर सिंह व किसान। (जैन)

हिमाचल भास्कर, 25 अगस्त, 2015

दैनिक भास्कर | शिमला, मंगलवार 25 अगस्त 2015

गाजर घास के नुकसान और फैलने वाली बीमारियों के प्रति किया जागरूक

बड़ा | कृषि विज्ञान केंद्र धनपुर द्वारा मंग गांव में गाजर घास उन्मूलन जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। मुख्य वैज्ञानिक डॉ. धन्वीर सिंह ने किसानों को गाजर घास से फैलने वाली बीमारियों एवं इससे होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी तथा घास को नियंत्रण करने के तरीकों के बारे में बताया। केंद्र के प्रभारी डॉ. प्रदीप कुमार ने किसानों से इसके उन्मूलन के लिए मिल कर सहयोग करने का आह्वान किया ताकि वे अपने क्षेत्र को गाजर घास रहित बना सकें। सब्जी वैज्ञानिक पवन लाल चौहान ने किसानों को बहुमूल्य सुझाव दिए तथा किसानों की समस्याओं का समाधान भी किया।

पंजाब केसरी

शनिवार SATURDAY 11 जुलाई 2015

किसानों को अच्छे बीजों बारे किया जागरूक

किसान सभागार नादौन में कृषक गोष्ठी का आयोजन

नादौन, 10 जुलाई (जैन): किसान सभागार नादौन में कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एस.डी.एम. नादौन राकेश शर्मा ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। गोष्ठी में उद्यान एवं बागवानी विभाग के अधिकारी, कृषि प्रसार अधिकारी व कृषि वैज्ञानिक सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। किसान सलाहकार समिति के चेयरमैन बलजीत संधु ने बताया कि गोष्ठी में 160 किसानों ने भाग लिया तथा कृषि संबंधी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि किसानों ने कृषि विशेषज्ञों से विभिन्न फसलों की सही प्रकार से पैदावार न होने व विभिन्न प्रकार के रोगों के बारे में प्रश्न पूछे। कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों के हर सवाल का जवाब समाधान सहित बताया। संधु ने किसानों को बताया कि नादौन में विभिन्न प्रकार की मिट्टी है तथा किसानों को मृदा परीक्षण करवाने के बाद अनुकूलित फसल की पैदावार करनी चाहिए। उन्होंने बताया कि नादौन में कई दलहनी फसलों, मसालेदार फसलों व हर्बल फसलों का प्रयोग सफल रहा है तथा कई प्रगतिशील किसान इन फसलों की पैदावार कर रहे हैं। खेती को प्रोत्साहन देने के लिए सरकार ने कई योजनाएं चलाई हैं जिनका किसानों को लाभ लेना चाहिए। इस अवसर पर एस.डी.एम. राकेश शर्मा ने बताया कि युवाओं के लिए कृषि रोजगार का एक उत्तम साधन है। युवा स्वरोजगार अपनाकर कृषि को व्यवसाय के रूप में अपना सकते हैं। इसके अलावा डेयरी, पोल्ट्री व मछली पालन में भी स्वरोजगार के अच्छे साधन हैं। सरकार ने स्वरोजगार प्रोत्साहन के लिए अनेक योजनाएं चलाई हैं। बी.डी.सी. सदस्य निशु जाट ने भी किसानों को अच्छे बीजों संबंधी जानकारी दी। गोष्ठी में चौधरी धर्मपाल, अनीता ठाकुर, बलदेव प्रकाश मंडयाल, राम कुमार, रघुवीर सिंह, रणवीर सिंह, सुरेंद्र, अशोक कुमार व शशि पाल आदि अग्रणी किसान शामिल हुए।

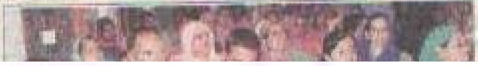

दैनिक भास्कर 29.3.2015

शिमला, रविवार 29 मार्च 2015 | 2

जलवायु, भूमि के हिसाब से बीज अनुमोदित

किसानों का दिए जाने वाले बीज नए नहीं : वीसी

भास्कर न्यूज | भोटा

रहे जलवायु परिवर्तन के लिए भी

किसानों को खेतीबाड़ी बारे किया जागरूक

पंजाब केसरी 28 मार्च 2015

बड़ा में किसानों के लिए लगाया जागरूकता शिविर

नादौन, 27 मार्च (जैन): कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा में किसानों के लिए पौध किस्म एवं कृषि अधिकार सुरक्षा अधिनियम व कृषक वैज्ञानिक परिचर्चा पर जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की अध्यक्षता उपकुलपति के.के. कटोच ने की। कृषि सलाहकार समिति नादौन के अध्यक्ष बलजीत संधु ने भी किसानों को सरकार द्वारा दी जा रही विभिन्न योजनाओं के लाभ के बारे में बताया। इस अवसर पर प्रसार शिक्षा निदेशालय के निदेशक डा. अतुल कुमार भी उपस्थित रहे। शिविर में वैज्ञानिकों ने किसानों को खेतीबाड़ी संबंधी जानकारी दी, वहीं किसानों ने भी विशेषज्ञों से कृषि संबंधी प्रश्न पूछे जिनका विशेषज्ञों ने विस्तार से जवाब दिया। बीजों संबंधी एक प्रगतिशील किसान द्वारा पूछे गए प्रश्न पर के.के. कटोच ने बताया कि कोई भी बीज नया नहीं है बल्कि पुराने बीजों के उपयुक्त गुणों को लेकर उपयुक्त जलवायु प्रेरित विभिन्न क्षेत्रों के लिए विभिन्न किस्मों का उत्पादन व अनुमोदन हुआ है। इस पर किसानों को भविष्य के लिए अपने क्षेत्र व अपने लिए इन पुरानी किस्मों का संरक्षण अति आवश्यक है। उन्होंने शोधशाला से हो रहे जलवायु परिवर्तन के लिए भी इन बीजों की सुरक्षा व संरक्षण बारे जिले के विकास खंडों से आए किसानों को जानकारी दी। डा. अतुल कुमार ने किसानों को पौध सुरक्षा व जलवायु परिवर्तन पर जानकारी दी, साथ ही उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय व कृषि विज्ञान केंद्रों पर हो रहे प्रसार कार्यों के बारे में भी बताया। इस अवसर पर के.वि. से आए विशेष आमंत्रित अतिथि सतीश पाल व सेवानिवृत्त डा. शेष राम ठाकुर ने भी कृषि संबंधी अपने अनुभव किसानों से सांझे किए। इस अवसर पर के. मदन लाल व मुनीष कुमार ने भी किसानों को जानकारी दी। शिविर में लगभग 200 किसानों ने भाग लिया।

नादौन : कृषि विज्ञान केंद्र बड़ा में किसान जागरूकता शिविर के दौरान उपस्थित किसान। (जैन)